बुक्सा टाइगर रिज़र्व: पश्चिम बंगाल

प्रिलिम्स के लिये:

बुक्सा टाइगर रिज़र्व, टाइगर कॉरिडोर, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA), राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल के अन्य संरक्षित क्षेत्र

मेन्स के लिये:

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA), बाघ संरक्षण परियोजनाएँ, बाघ संरक्षण से संबंधित प्रमुख संवैधानिक प्रावधान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बुक्सा टाइगर रिज़र्व में 23 वर्षों में पहली बार एक रॉयल बंगाल टाइगर देखा गया।

- ऐतिहासिक रूप से बाघ बुक्सा टाइगर रिज़र्व की दक्षिणतम सीमा सहित पूरे रिज़र्व में पाए जाते हैं। हालाँकि वर्तमान में **बुक्सा टाइगर रिज़र्व में बाघों का घनत्त्व कम है।**

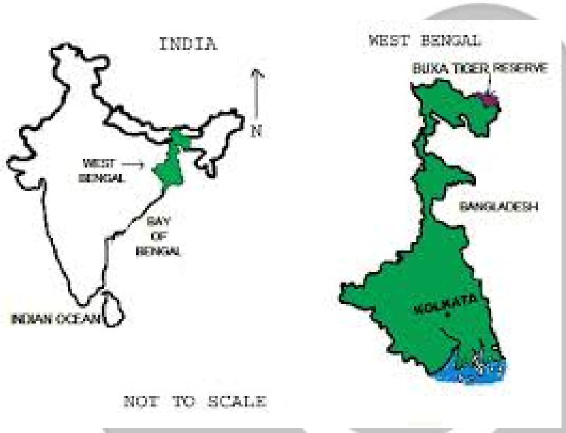

प्रमुख बिंदु:

- ### बुक्सा टाइगर रिज़र्व:
  - बुक्सा टाइगर रिज़र्व **पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी ज़िले** के अलीपुरद्वार उप-मंडल में स्थित है। इसे **वर्ष 1983 में भारत के 15वें टाइगर रिज़र्व** के रूप में स्थापित किया गया था।
    - इसे जनवरी 1992 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
  - बुक्सा टाइगर रिज़र्व की उत्तरी सीमा **भूटान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा** के साथ लगती है। **सिंचुला पहाड़ी शृंखला** बुक्सा राष्ट्रीय उद्यान के उत्तरी किनारे पर स्थित है तथा पूर्वी सीमा असम राज्य को स्पर्श करती है।
  - टाइगर रिज़र्व में बहने वाली मुख्य नदियाँ- **संकोश, रैदक, जयंती, चुरनिया, तुरतुरी, फशखवा, दीमा और नोनानी हैं।**

- ### टाइगर कॉरिडोर:
  - बुक्सा टाइगर रिज़र्व की कॉरिडोर कनेक्टिविटी की सीमाएँ उत्तर में भूटान के जंगलों को, पूर्व में कोचुगाँव के जंगलों और मानस टाइगर रिज़र्व तथा पश्चिम में जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान को स्पर्श करती है। महत्त्वपूर्ण कॉरिडोर लिंक निम्नलिखित हैं:

- **बुक्सा-टीटी (टोरसा के माध्यम से):** यह बुक्सा टाइगर रज़िर्व के रंगमती रज़िर्व वन क्षेत्र को टटिी रज़िर्व फॉरेस्ट से जोड़ता है।
- **बुक्सा-टटिी (बीच और भरनाबाड़ी टी एस्टेट के माध्यम से):** यह भरनाबाड़ी टी एस्टेट और 'बीच टी एस्टेट' से गुजरते हुए 'दलसगिपारा टी एस्टेट' के दक्षणि में स्थति बुक्सा-टाइगर रज़िर्व के भरनाबाड़ी रज़िर्व फॉरेस्ट और टटिी रज़िर्व फॉरेस्ट को जोड़ता है।
- **नमिाती-चलिपटा (बुक्सा-चलिपटा):** यह बुक्सा टाइगर रज़िर्व की नमिाती रेंज और चलिपटा रज़िर्व फॉरेस्ट के बीच हाथयिों की आवाजाही को सुगम बनाता है, जसिसे बुक्सा टाइगर रज़िर्व और जलदापारा वन्यजीव अभयारण्य (पश्चमि बंगाल) के बीच हाथयिों की आवाजाही सुलभ हो सके।
- **संकोश (संकोश) में बुक्सा-रपिू:** यह गलयिारा एक सन्नहिति जंगल है जो पश्चमि बंगाल के बुक्सा टाइगर रज़िर्व को कोचुगाँव वन प्रभाग, असम के रपिु रज़िर्व फॉरेस्ट से जोड़ता है।

- उल्लखिति गलयिारे उत्तर-पूर्व और ब्रह्मपुत्र घाटी बाघ परदिृश्य का हस्सिा हैं, जो वभिन्नि संरक्षति क्षेत्रों जैसे बुक्सा**मानस टाइगर रज़िर्व** (असम), भूटान में फप्पिसू वन्यजीव अभयारण्य और जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की उपस्थतिि से संबंधति महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

वनस्पतः

- मोटे तौर पर रज़िर्व के वनों को 'आर्द्र उष्णकटबिंधीय वन' के रूप में वर्गीकृत कयिा जा सकता है।

जंतु वर्ग:

- रज़िर्व में पाई जाने वाली कुछ महत्त्वपूर्ण प्रजातयिाँ हैं- इंडयिन टाइगर (पैंथेरा टाइग्रसि टाइग्रसि), लेपर्ड (पैंथेरा पार्डस), क्लाउडेड लेपर्ड (नयिोफेलसि नेबुलोसा), हॉग बेजर (आर्कटोनक्सि कोलारसि), जंगल कैट (फेलसि चौस) आदि।

पश्चमि बंगाल में अन्य संरक्षति क्षेत्र:

- गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान
- नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान
- सगिलीला राष्ट्रीय उद्यान
- जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान

बाघ

बाघ संरक्षण की स्थतिः

- **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधनियिम, 1972:** अनुसूची- I
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) रेड लसि्ट:** लुप्तप्राय
- वन्यजीवों और वनस्पतयिों की लुप्तप्राय प्रजातयिों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परशिषि्ट- I

भारत की बाघ संरक्षण स्थतिः

- भारत वैश्वकि स्तर पर बाघों की 70% से अधकि आबादी का घर है।
- भारत के 18 राज्यों में कुल 51 बाघ अभयारण्य हैं और **वर्ष 2018 की अंतमि बाघ गणना** में इनकी आबादी में वृद्धि देखी गई।
- भारत ने बाघ संरक्षण पर **सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा** (St. Petersburg Declaration) से चार वर्ष पहले बाघों की आबादी को दोगुना करने का लक्ष्य हासलि कयिा।
- भारत की बाघ संरक्षण रणनीति में स्थानीय समुदायों को भी शामलि कयिा गया है।

भारत में बाघ संरक्षण परयिोजनाएँ:

- **प्रोजेक्ट टाइगर 1973:** यह वर्ष 1973 में शुरू की गई पर्यावरण, वन और जलवायु परविर्तन मंत्रालय (MoEFCC) की **एक केंद्र प्रायोजति योजना** है। यह देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों को आश्रय प्रदान करती है।
  - हाल ही में **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण (NTCA)** ने गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पगिला वन्यजीव अभयारण्य के संयुक्त क्षेत्रों को भारत में **53वें टाइगर रज़िर्व** के रूप में नामति कयिा है।

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): यह पर्यावरण और वन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जो 2006 में संशोधित वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत गठित है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/buxa-tiger-reserve-west-bengal